संस्कृत विभाग

DEPARTMENT OF SANSKRIT

कला, संचार एवं भाषा संकाय

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप

According to NEP 2020

चतुर्वर्षीय स्नातक कक्षा के चतुर्थ वर्ष का पाठ्यक्रम

4th YEAR'S SYLLABUS OF

FOUR-YEAR UNDER GRADUATION PROGRAMME

वर्ष 2022-23 में प्रविष्ट विद्यार्थियों के लिए

For students admitted in 2022-2023

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

श्रीनगर गढवाल, उत्तराखण्ड

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY (A CENTRAL UNIVERSITY) SRINAGAR GARHWAL, UTTARAKHAND

SYLLABUS FOR 4TH YEAR (UG WITH HONOURS)
UNDER NEP-2020
DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

Fourth Year (UG with Honours)

The following course structure under FYUP is designed for subjects which do not have practical based courses or have minimal emphasis on practical course-based learning.

(For non-practical/practical based subjects)

Entry requirement	After completing requirements of a 3-year bachelor's degree (120 credits) and 2 additional credits under SSD, candidates will be allowed to continue studies in the fourth year of the undergraduate programme leading to the four years bachelor's degree (with Honours).					
Course Type	**Semester-VII**			**Semester-VIII**		
	Subject/Title	**No. of paper**	**Credits**	**Subject /Title**	**No. of paper**	**Credits**
Major Subject (One)	Core Major -I	1	5	Core Major -I	1	5
	Core Major-II	1	5	Core Major-II	1	5
	Core Major-III	1	5	Core Major-II	1	5
	Core Major Elective -I	1	4	Core Major Elective -I	1	4
	Research Methodology	1	5	Project Work/ Academic Project	1	5
Minor (One)	**Minor–I**	**1**	**4**	**Minor–II**	**1**	**4**
Total		**6**	**28**		**6**	**28**
NHEQF Level-6	**Student on exit after successfully completing four years (i.e., securing minimum required 176 credits along with securing additional 2 credits under SSD course work) will be awarded "Four-years Bachelor's Degree (Honours)", in related field/discipline.**					

Note: *The Departments may bifurcate the total credits of a course between theory and practical. If the major or minor course is offered with a practical component, the department must distribute the credits to the theory and practical component.*

Minor–I* Each department will have to prepare minor course (One in each semester) which enriches the learner's knowledge beyond the Major discipline (Core Major). The minor courses opted by any learner should be different from the Core Major offered by the Department.

If a student selects a minor course from a particular subject or department, they are required to study the courses offered by that same subject/department in both the VII & VIII semesters. Electives may be offered under Minor.

Important Note: *The student may select Minor course either from her/his second core, studied up to 6th semester or may select from the ID/ MD subjects they have pursued in the first and second year of their UG Programme.*

Example: If a student has passed B.A. 3 years with two core subjects i.e. Sociology and Political Science, and the student have opted for Political Science as her/his Major subject then the student may either opt Sociology or anyone ID/ MD course as Minor course which she/he has studied in the first two years of the FYUP.

7st Semester (सप्तम सत्र)-

Core Major I : वैदिकवाङ्मय और उपनिषद् का इतिहास **(5)**

Core Major II: भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका) **(5)**

Core Major III: नाटक और गद्यकाव्य **(5)**

Core Major Elective I: धर्मशास्त्र **(4)**

OR (अथवा)

संस्कृतपरम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति

Research Methodology: (शोधविधि) **(5)**

***Minor- I:** भारतीयसंस्कृति एवं सभ्यता **(4)**

OR (अथवा)

गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल

Total Papers: 6 **Total Credits: (28)**

* नोट: १. माइनर-1 कोर्स उन छात्रों के लिए है, जिनका संस्कृत मेजर पाठ्यक्रम नहीं है।

२, संस्कृत मेजर के छात्र माइनर-1 कोर्स के रूप में अपने दूसरे मेजर पाठ्यक्रम अथवा पूर्व में लिए गए (प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर) दो मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स विषयों से माइनर मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स ले सकते हैं।

8st Semester (अष्टम सत्र)-

Core Major I :	**वैदिकसूक्त और निरुक्त**	**(5)**
Core Major II:	**भारतीय दर्शन (वेदान्तसार और अर्थसङ्ग्रह)**	**(5)**
Core Major III:	**संस्कृत महाकाव्य**	**(5)**
Core Major Elective I:	**गीता में आत्मप्रबन्धन**	**(4)**
	OR (अथवा)	
	पुराणेतिहास	
Project Work/Academic Project (परियोजना)		**(5)**
***Minor- II:**	**संस्कृत भाषा और साहित्य**	
	(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya) *	**(4)**
	OR (अथवा)	
	भाषाविज्ञान	

Total Papers: 6 **Total Credits: (28)**

*** Swayam Course: 135:** https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou25_lg20/

FYUG 4TH YEAR WITH HONOURS

7th Semester

सप्तम सत्र

Core Major I: **CREDITS – 05**

प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिकवाङ्मय और उपनिषद् का इतिहास **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** ३०

(ख) **तैत्तिरीयोपनिषद्** ३०

सहायक ग्रन्थ –

(१) भगवद्दत्त. **वैदिक वाङ्मय का इतिहास.** नई दिल्ली: प्रणव प्रकाशन. १/२८ पंजाबी बाग.

(२) उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी**:** शारदा मन्दिर, १९६७.

(३) द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

(४) Macdonnel, A. **A History of Sanskrit Literature.** New York: D. Appleton and Company, 1900.

(५) Winternitz, M. **Geschichte der Indischen Litteratur. Eng.Tran.A History of Indian Literature.** Delhi: Moti Lal Banarasidass. 2010.

Core Major II: **CREDITS – 05**

द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका) **पूर्णाङ्क ६०**

(क) केशवमिश्र. **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्त ३०

केशवमिश्र. **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्त

(ख) ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका** ३०

ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका**

सहायक ग्रन्थ –

(१) केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. हिन्दीअनुवादक और सम्पादक विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. वाराणसी**:** चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६२.

(२) केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. माधुरी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी**:** चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९८४.

(३) ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वकौमुदी की विद्वत्तोषिणी व्याख्या युक्त. व्याख्याकार बालराम उदासीन. वाराणसी**:** भारतीय विद्या भवन. जगत गंज.

(४) ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका.** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्व- कौमुदी की प्रभा हिन्दी टीका सहित. हिन्दीटीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र. इलाहाबाद**:** सत्यप्रकाशन बलरामपुर हाउस. पुनः प्रकाशित. इलाहाबाद**:** प्रेमप्रकाशन, १९६९

Core Major III: **CREDITS – 05**

तृतीय प्रश्नपत्र— नाटक और गद्यकाव्य **पूर्णाङ्क** **६०**

(क) भवभूति. **उत्तररामचरित** ४५

(ख) बाणभट्ट. **हर्षचरित** प्रथम उच्छ्वास १५

सहायक ग्रन्थ -

(१) भवभूति. उत्तररामचरित. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. कपिलदेव द्विवेदी. इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान,१९७४.

(२) Bhavabhūti. **The Uttararāmacaritam.** Tran. & Ed. M.R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 2014.

(३) बाणभट्ट. **हर्षचरित**. हिन्दीभाषा अनुवादक और सम्पादक जगन्नाथ पाठक. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन, १९७२.

(४) बाणभट्ट. **हर्षचरित.** हिन्दीभाषानुवादक केशवराव मुसलगाँवकर. सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी: चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०४९.

(५) द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद: संस्कृत साहित्य संस्थान.

(६) त्रिपाठी, राधावल्लभ. **संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास.** सागर**:** विश्वविद्यालय प्रकाशन, २००४.

(७) पाण्डेय, अमरनाथ. **संस्कृतकविसमीक्षा**. वाराणसी**:** चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.

(८) Keith, AB. **The Sanskrit Drama.** London: Oxford University Press. Ely House, 1974.

Core Major Elective I: **CREDITS - 04**

चतुर्थ प्रश्नपत्र- धर्मशास्त्र **पूर्णाङ्क** **६०**

(क) **मनुस्मृति** पञ्चम, षष्ठ और सप्तम अध्याय ३०

(ख) **याज्ञवल्क्यस्मृति** द्वितीय व्यवहाराध्याय ३०

सहायक ग्रन्थ -

(१) **मनुस्मृति** कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीका और शिवराज आचार्य कौण्डायन कृत हिन्दी अनुवाद सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवन, २००७.

(२) **मनुस्मृति.** सम्पादक राजवीर शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.

(३) **याज्ञवल्क्यस्मृति.** विज्ञानेश्वरप्रणीत मिताक्षरा टीकासहित, हिन्दी व्याख्याकार उमेशचन्द्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६५.

(४) **याज्ञवल्क्यस्मृति.** टीकाकार और सम्पादक नारायण आचार्य. दिल्ली¦ नाग पब्लिशर्स११ए/यू०ए०जवाहरनगरम,१९८३.

अथवा

चतुर्थ प्रश्नपत्र- संस्कृत परम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति **पूर्णाङ्क** ६०

(क) **धर्म-** सनातन धर्म का स्वरूप लक्षण एवं प्रकार, मानवीय मूल्य, पञ्च महायज्ञ, षोडश संस्कार, पुनर्जन्म और कर्मफल की अवधारणा २०

(ख) **दर्शन-** भारतीय दर्शन का इतिहासः १५

(ग) **संस्कृतिः-** भारतीय संस्कृति में वर्ण-आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ, प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति, भारतीय प्राचीन शिक्षा, भारतीय प्राचीन शिल्प और कलाएं। २५

सहायक ग्रन्थ -

(१) उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी¦ शारदा मन्दिर, १९६७.

(२) मिश्र, उमेश. **भारतीयदर्शन**. लखनऊ**:** हिन्दी समिति ग्रन्थमाला १०, १९६४.

(३) उपाध्याय, बलदेव. **भारतीय दर्शन.** वाराणसी**:** शारदा मन्दिर,१९७१.

(४) Hiriyanna, Mysore. **Outlines of Indian Philosophy**. Delhi**:** Motilal Banarasidass, 1993.

(५) Dasgupta, Surendra Nath. **A History of Indian Philosophy**. Delhi: Cambridge University Press.

(६) Radha Krishanan, S. **Indian Philosophy**. Delhi: Cambridge University Press.

(७) गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. **भारतीय संस्कृति.** जोधपुर¦ राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट,२००४

(८) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह.**'भारतीय संस्कृति का इतिहास'**. मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाज़ार, 1969.

Research Methodology: **CREDITS - 05**

पञ्चम प्रश्नपत्र- शोधविधि **पूर्णाङ्क** ६०

(क) शोध का अर्थ एवं स्वरूप

(ख) शोध की आवश्यकता, क्षेत्र एवं प्रकार

(ग) शोध की विविध पद्धतियाँ

(घ) शोध के चरण एवं सामग्री संकलन

(ङ) शोध विषय का चयन और शोधार्थी के गुण

सहायक ग्रन्थ -

(१) अनुसंधान प्रक्रिया एवं रुपरेखा, डॉ. देवीदास यशवंत इंगळे, अमन प्रकाशन, कानपुर.

(२) आधुनिक शोध प्रणाली, दीपिका भारद्वाज, रितु पब्लिकेशन्स, जयपुर.

(३) वैदिक-शोध प्रविधि, डॉ. कृष्ण लाल, दिल्ली.

(४) शोध प्रविधि, हरीश कुमार शास्त्री, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.

(५) शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान, डॉ. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद.

(६) Elements of Research Methodology in Sanskrit, Dr. Keshab Chandra Dash, Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi-221001

Minor- I: **CREDITS - 04**

षष्ठ प्रश्नपत्र- भारतीय संस्कृति और सभ्यता **पूर्णाङ्क ६०**

(क) संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा, वैदिक संस्कृति, भारतीय जीवन मूल्य, षोडश संस्कार, २०

(ख) रामायण, महाभारत एवं पुराणों का भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर प्रभाव २०

(ग) वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थचतुष्टय, प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षा, प्राचीन भारतीय शिल्प और कला। २०

सहायक ग्रन्थ -

(१) उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी¦ शारदा मन्दिर, १९६७.

(२) गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. **भारतीय संस्कृति.** जोधपुर¦ राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट,२००४.

(३) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह.'**भारतीय संस्कृति का इतिहास'**. मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाज़ार, 1969.

(४) स्वामी दयानन्द, सत्यार्थप्रकाश, परोपकारिणी सभा, अजमेर: वैदिक यन्त्रालय, २००२.

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र- गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **गढवाल के प्रमुख तीर्थस्थल**— हरिद्वार, हृषीकेश (ऋषिकेश), देवप्रयाग, श्रीक्षेत्र (श्रीनगर), पञ्चबदरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, तुङ्गनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमेश्वर, कल्पेश्वर, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायण, कालिमठ, गोपेश्वर, सूर्यप्रयाग (तिलवाड़ा), कर्णप्रयाग, नन्दादेवी और नन्दा की राजयात्रा, रुद्रप्रयाग, गङ्गोत्तरी, यमुनोत्तरी, सौम्यकाशी (उत्तरकाशी= बाड़ाहाट) और टिहरी।

सहायक ग्रन्थ-

(१) **श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गतकेदारखण्ड.** रत्नप्रभाभाषाव्याख्या सहित. व्याख्याकार ब्रजरत्नभट्टाचार्य. नन्दप्रयाग¦ प्रकाशक महेशानन्दशर्म्मा भक्तिरसामृत कार्यालय. मुद्रक मुम्बई¦ खेमराज कृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस. पुनः प्रकाशित नई दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास.

(२) कृष्णकुमार. नैथानी, शिवप्रसाद. लक्ष्मीचन्द्रशास्त्री और उप्रेती जयदत्त. **गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ**. श्रीनगर¦ हे. न. ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग,१९८१.

(३) नैथानी, शिवप्रसाद. **उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर**. श्रीनगर गढ़वाल¦ पवेत्री प्रकाशन. रमेश भवन. भक्तियाना, १९९७.

FYUG 4TH YEAR WITH HONOURS

8th Semester

अष्टम सत्र

Core Major I: **CREDITS – 05**

प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिकसूक्त और निरुक्त **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **वैदिक सूक्त** ४५

ऋग्वेद के सूक्त— इन्द्रसूक्त १/३२, सवितृसूक्त १/३५, उषस्सूक्त १/४८, सूर्यसूक्त १/११५, विश्वामित्र-नदीसंवादसूक्त ३/३३, सोमसूक्त ९/८०, पर्जन्यसूक्त ५/८३, पुरुषसूक्त १०/९०, हिरण्यगर्भसूक्त १०/१२१, वाक्सूक्त १०/१२५, नासदीयसूक्त १०/१२९

माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद का मन्त्र— योगक्षेम २२/२२

शौनकीय अथर्ववेद का सूक्त— राष्ट्राभिवर्धन १/२९

(ख) यास्क. **निरुक्त** प्रथम अध्याय और द्वितीय अध्याय के प्रथम-द्वितीय पाद १५

सहायक ग्रन्थ -

(१) Chaubey, Dr. Braj Bihari. **The New Vedic Selection Part I &II.** Varanasi: Bharatiya Vidya Prakashan, 1976.

(२) डॉ.कृष्णकुमार. **ऋक्सूक्तसुधाकर.** मेरठ: साहित्य भण्डार, १९७२.

(३) यास्क. निरुक्त. सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, २००५.

(४) यास्क. निरुक्त दुर्गावृत्ति सहित. सम्पादक परमेश्वरान्द. छज्जूलाल और देवशर्मा. दिल्ली: मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन, २००९.

Core Major II: **CREDITS – 05**

द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (वेदान्तसार और अर्थसंग्रह) **पूर्णाङ्क ६०**

(क) सदानन्दयोगीन्द्र कृत **वेदान्तसार** ३०

(ख) लौगाक्षिभास्कर कृत **अर्थसङ्ग्रह** ३०

सहायक ग्रन्थ-

(१) सदानन्द. **वेदान्तसार.** व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी: चौखम्बा कृष्णदास अकादमी. विक्रम संवत्सर २०५८.

(२) सदानन्द. **वेदान्तसार.** रामतीर्थकृत विद्वन्मनोरञ्जनी टीका सहित. सम्पादक रामगोविन्द शुक्ल . दिल्ली: भारतीय विद्या प्रकाशन, १९९०.

(३) लौगाक्षी, भास्कर. **अर्थसंग्रह** प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक कामेश्वरनाथ मिश्र. वाराणसी: चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २०१०

Core Major III: **CREDITS – 05**

तृतीय प्रश्नपत्र— संस्कृत महाकाव्य **पूर्णाङ्क ६०**

तृतीय प्रश्नपत्र- संस्कृत महाकाव्य

(क) माघ कृत **शिशुपालवध** प्रथमसर्ग ३०

(ख) अश्वघोष. **बुद्धचरित** प्रथम और द्वितीय सर्ग ३०

सहायक ग्रन्थ-

(१) माघ. **शिशुपालवध.** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित. मुंबई**:** खेमराज श्रीकृष्णदास वेङ्कटेश्वर स्टीम् मुद्रणालय.

(२) माघ. **शिशुपालवध** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित प्रथम सर्ग. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. देवनारायणमिश्र. मेरठ**:** साहित्य भण्डार सुभाषबाज़ार, १९९३.

(३) अश्वघोष. **बुद्धचरित** प्रकाशहिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार महन्त श्रीरामचन्द्र दास शास्त्री. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन, १९९५.

(४) द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

Core Major Elective I: **CREDITS - 04**

चतुर्थ प्रश्नपत्र- गीता में आत्मप्रबन्धन **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **मन तथा बुद्धि का स्वरूप** १०

(ख) **मानसिक द्वन्द्व तथा उनके कारण** १०

(ग) **मन की चञ्चलता, नियन्त्रण और मन का संयमन** १०

(घ) **चेतन और परमात्मा के मध्य सम्बन्ध और उसकी भक्ति** १०

(ङ) **योगसिद्धि में साधक एवं बाधक तत्व** १०

(च) **आत्मप्रबन्धन का फल** १०

सहायक ग्रन्थ-

(१) **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, अनुवादक हरिकृष्णदास गोयन्दका, गोरखपुर, गीता प्रेस, संवत २०४९.

(२) **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, २००४.

(३) **श्रीमद्भगवद्गीता** मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभा भाष्य हिन्दी-व्याख्या सहित, व्याख्याकार मदन मोहन अग्रवाल, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, १९९४.

(४) तिलक, बालगंगाधर, **श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य और कर्मयोगशास्त्र** दिल्ली, राजपाल एण्ड सन्स, १९६९.

(५) कुमारः, डॉ विनोदः, **गीता में आत्मप्रबन्धन** इति, देहली, परिमल पब्लिकेशन्स, २०१२.

अथवा

चतुर्थं प्रश्नपत्र- पुराणेतिहास **पूर्णाङ्क** ६०

(क) व्यास. **श्रीमद्भागवत** पञ्चम स्कन्ध के प्रथम अध्याय से दसवें अध्याय तक ३०

(ख) वाल्मीकि. **रामायण** सुन्दरकाण्ड के प्रथम सर्ग से पञ्चदश सर्ग तक ३०

सहायक ग्रन्थ-

(१) व्यास. **श्रीमद्भागवतमहापुराण.** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, २०६७.

(२) वाल्मीकि. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५६.

(३) वाल्मीकि. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.** सम्पादकमण्डल जी ए भट्ट. पी एल वैद्य. डी आर मनकण्ड इत्यादि. बड़ौदा.

(४) उपाध्याय, बलदेव. **पुराण-विमर्श.** वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन,१९७८.

(५) त्रिपाठी, कृष्णमणि. **पुराणपर्यालोचन** समीक्षात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७५

(६) त्रिपाठी, कृष्णमणि. **पुराणपर्यालोचन** गवेषणात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७६.

(७) द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

(८) कामिलबुल्के. **रामकथा: उत्पत्ति और विकास**. प्रयाग विश्वविद्यालय¦ हिन्दी परिषद्, १९९७.

Project Work/Academic Project (परियोजना) **CREDITS – 05**

Minor- I: **CREDITS - 04**

षष्ठ प्रश्नपत्र- संस्कृत भाषा और साहित्य **पूर्णाङ्क** ६०

(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya)*

***Swayam Course: 135:**

https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou25_lg20/

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र- भाषाविज्ञानम् **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **भाषा-** भाषा का व्यापक अर्थ, भाषाविज्ञान की दृष्टि से भाषा का अर्थ, भाषा का लक्षण, भाषा की प्रकृति, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विविध भेद यथा- भाषा, विभाषा, बोली। भाषा की उत्पत्ति से सम्बन्धित विविध मत। भाषाओं का वर्गीकरण। वर्गीकरण के आधार, आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार की भाषाओं का विशेष अध्ययन, अवेस्ता और संस्कृत की तुलना, वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की तुलना, भारतीय आर्य भाषाओं का वैदिक संस्कृत से अपभ्रंश तक का विकास। भाषाविज्ञान का लक्षण, भाषाविज्ञान का विविध शास्त्रों से सम्बन्ध। भाषाविज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र। भाषाविज्ञान में भाषाओं के अध्ययन की पद्धतियां यथा- समकालिक (वर्णनात्मक और संरचनात्मक भेद सहित), ऐतिहासिक, तुलनात्मक और प्रायोगिक। ३०

(ख) **ध्वनिविज्ञान**- ध्वनि का लक्षण, ध्वनिग्राम, मानवीय वाग्यन्त्र के आधार पर ध्वनियों के उच्चारण स्थान और प्रयत्न, स्वर और व्यञ्जन, संस्कृत ध्वनियों का उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण, ध्वनिपरिवर्तन की दिशाएं और कारण। ध्वनि परिवर्तन से सम्बन्धित ध्वनि नियम यथा- ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम और वर्नर नियम। १५

(ग) **अर्थविज्ञान-** अर्थबोध के साधन, अर्थपरिवर्तन के कारण और दिशाएं। १५

सहायक ग्रन्थ-

(१) कर्णसिंह. ***भाषाविज्ञान.*** मेरठ**:** साहित्य भण्डार. सुभाष बाजार.

(२) तिवारी, भोलानाथ. ***भाषाविज्ञान.*** इलाहाबाद**:** किताब महल.

(३) कपिलदेव. ***भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र*** . वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०१२.

(४) Gune, P.D. ***An Introduction to Comparative Philology.*** Delhi: Chaukhamba Sanskrit Pratishthan. 38 U.A. Bungalow Road. Jawahar Nagar, 2005.

(५) Bloomfield, leonard. ***Language***. New York: Holt, Rinehart and Winston, 1933.

SYLLABUS FOR 4TH YEAR (UG HONOURS WITH RESEARCH) UNDER NEP-2020

DEPARTMENT OF SANSKRIT (HNBGU)

Fourth Year (UG Honours with Research)

The following course structure under FYUP is designed for subjects which do not have practical based courses or have minimal emphasis on practical course-based learning.

(For non-practical/practical based subjects)

Entry requirement	After completing requirements of a 3-year bachelor's degree (120 credits) and 2 additional credits under SSD, candidates who meet a **minimum CGPA of 7.5** will be allowed to continue studies in the fourth year of the undergraduate programme leading to the four years bachelor's degree (Honours with Research).					
Course Type	**Semester-VII**			**Semester-VIII**		
	Subject/Title	**No. of paper**	**Credits**	**Subject /Title**	**No. of paper**	**Credits**
Major Subject (One)	Core Major -I	1	5	Core Major -I	1	5
	Core Major-II	1	5			
	Core Major-III	1	5			
	Core Major Elective - I	1	4	Core Major Elective - I	1	4
	Research Methodology	1	5	Research Writing & Ethics	1	3
				Dissertation	1	12
Minor (One)	Minor–I	1	4	Minor–II	1	4
Total		**6**	**28**		**5**	**28**
NHEQF Level-6	**Student on exit after successfully completing four years (i.e., securing minimum required 176 credits along with securing additional 2 credits under SSD course work) will be awarded "Four-years Bachelor's Degree (Honours)", in related field/discipline.**					

Note: The Departments may bifurcate the total credits of a course between theory and practical. If the major or minor course is offered with a practical component, the department must distribute the credits to the theory and practical component.

Minor–I* Each department will have to prepare minor course (One in each semester) which enriches the learner's knowledge beyond the Major discipline (Core Major). The minor courses opted by any learner should be different from the Core Major offered by the Department. If a student selects a minor course from a particular subject or department, they are required to study the courses offered by that same subject/department in both the VII & VIII semesters. Electives may be offered under Minor.

Important Note: *The student may select Minor course either from her/his second core, studied up to VI semester or may select from the ID/MD subjects she/he have pursued in the first and second year of their UG Programme.*

For Example: If a student has passed B.A. 3 years with two core subjects i.e., Sociology and Political Science, and the student have opted for Political Science as her/his Major subject then the student may either opt Sociology or anyone ID/MD course as Minor course which she/he has studied in the first two years of the FYUP.

7st Semester (सप्तम सत्र)-

Core Major I : वैदिकवाङ्मय और उपनिषद् का इतिहास **(5)**

Core Major II: भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका) **(5)**

Core Major III: नाटक और गद्यकाव्य **(5)**

Core Major Elective I: धर्मशास्त्र **(4)**

OR (अथवा)

संस्कृतपरम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति

Research Methodology: (शोधविधि) **(5)**

***Minor- I:** भारतीयसंस्कृति एवं सभ्यता **(4)**

OR (अथवा)

गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल

Total Papers: 6 **Total Credits: (28)**

* नोट: १. माइनर-1 कोर्स उन छात्रों के लिए है, जिनका संस्कृत मेजर पाठ्यक्रम नहीं है।
२, संस्कृत मेजर के छात्र माइनर-1 कोर्स के रूप में अपने दूसरे मेजर पाठ्यक्रम अथवा पूर्व में लिए गए (प्रथम से चतुर्थ सेमेस्टर) दो मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स विषयों से माइनर मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स ले सकते हैं।

8st Semester (अष्टम सत्र)-

Core Major I :	**वैदिकसूक्त और निरुक्त**	**(5)**
Core Major Elective I:	**संस्कृतमहाकाव्यम्**	**(4)**
	OR (अथवा)	
	गीता में आत्मप्रबन्धन	
Research Writing and Ethics: (शोधलेखन और नैतिकता)		**(3)**
Research Dissertation (शोधनिबन्ध:)		**(12)**
	Note: Topic will be issued in 7th semester	
***Minor- II:**	**संस्कृत भाषा और साहित्य**	
	(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya) *	**(4)**
	OR (अथवा)	
	भाषाविज्ञान	

Total Papers: 6 **Total Credits: (28)**

*** Swayam Course: 135:** https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou25_lg20/

FYUG 4TH YEAR (UG HONOURS WITH RESEARCH)

7th Semester

सप्तम सत्र

Core Major I: **CREDITS – 05**

प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिकवाङ्मय और उपनिषद् का इतिहास **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **वैदिक वाङ्मय का इतिहास** ३०

(ख) **तैत्तिरीयोपनिषद्** ३०

सहायक ग्रन्थ –

(१) भगवद्दत्त. **वैदिक वाङ्मय का इतिहास.** नई दिल्ली: प्रणव प्रकाशन. १/२८ पंजाबी बाग.

(२) उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी**:** शारदा मन्दिर, १९६७.

(३) द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

(४) Macdonnel, A. **A History of Sanskrit Literature.** New York: D. Appleton and Company, 1900.

(५) Winternitz, M. **Geschichte der Indischen Litteratur. Eng.Tran.A History of Indian Literature.** Delhi: Moti Lal Banarasidass. 2010.

Core Major II: **CREDITS – 05**

द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका) **पूर्णाङ्क ६०**

(क) केशवमिश्र. **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्त ३०

(ख) ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका** ३०

सहायक ग्रन्थ –

(१) केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. हिन्दीअनुवादक और सम्पादक विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. वाराणसी**:** चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६२.

(२) केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. माधुरी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी**:** चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९८४.

(३) ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वकौमुदी की विद्वत्तोषिणी व्याख्या युक्त. व्याख्याकार बालराम उदासीन. वाराणसी**:** भारतीय विद्या भवन. जगत गंज.

(४) ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका.** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्व- कौमुदी की प्रभा हिन्दी टीका सहित. हिन्दीटीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र. इलाहाबाद**:** सत्यप्रकाशन बलरामपुर हाउस. पुनः प्रकाशित. इलाहाबाद**:** प्रेमप्रकाशन, १९६९

Core Major III: **CREDITS – 05**

तृतीय प्रश्नपत्र— नाटक और गद्यकाव्य **पूर्णाङ्क ६०**

(क) भवभूति. **उत्तररामचरित** ४५

(ख) बाणभट्ट. **हर्षचरित** प्रथम उच्छ्वास १५

सहायक ग्रन्थ -

(१) भवभूति. उत्तररामचरित. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. कपिलदेव द्विवेदी. इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान,१९७४.

(२) Bhavabhūti. **The Uttararāmacaritam.** Tran. & Ed. M.R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 2014.

(३) बाणभट्ट. **हर्षचरित**. हिन्दीभाषा अनुवादक और सम्पादक जगन्नाथ पाठक. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन, १९७२.

(४) बाणभट्ट. **हर्षचरित.** हिन्दीभाषानुवादक केशवराव मुसलगाँवकर. सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी: चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०४९.

(५) द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद: संस्कृत साहित्य संस्थान.

(६) त्रिपाठी, राधावल्लभ. **संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास.** सागर**:** विश्वविद्यालय प्रकाशन, २००४.

(७) पाण्डेय, अमरनाथ. **संस्कृतकविसमीक्षा**. वाराणसी**:** चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.

(८) Keith, AB. **The Sanskrit Drama.** London: Oxford University Press. Ely House, 1974.

Core Major Elective I: **CREDITS - 04**

चतुर्थ प्रश्नपत्र- धर्मशास्त्र **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **मनुस्मृति** पञ्चम, षष्ठ और सप्तम अध्याय ३०

(ख) **याज्ञवल्क्यस्मृति** द्वितीय व्यवहाराध्याय ३०

सहायक ग्रन्थ -

(१) **मनुस्मृति** कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीका और शिवराज आचार्य कौण्डायन कृत हिन्दी अनुवाद सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवन, २००७.

(२) **मनुस्मृति.** सम्पादक राजवीर शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.

(३) **याज्ञवल्क्यस्मृति.** विज्ञानेश्वरप्रणीत मिताक्षरा टीकासहित, हिन्दी व्याख्याकार उमेशचन्द्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६५.

(४) **याज्ञवल्क्यस्मृति.** टीकाकार और सम्पादक नारायण आचार्य. दिल्ली¦ नाग पब्लिशर्स११ए/यू०ए०जवाहरनगरम,१९८३.

अथवा

चतुर्थ प्रश्नपत्र- संस्कृत परम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति **पूर्णाङ्क** ६०

(क) **धर्म-** सनातन धर्म का स्वरूप लक्षण एवं प्रकार, मानवीय मूल्य, पञ्च महायज्ञ, षोडश संस्कार, पुनर्जन्म और कर्मफल की अवधारणा २०

(ख) **दर्शन-** भारतीय दर्शन का इतिहासः १५

(ग) **संस्कृतिः-** भारतीय संस्कृति में वर्ण-आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ, प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति, भारतीय प्राचीन शिक्षा, भारतीय प्राचीन शिल्प और कलाएं। २५

सहायक ग्रन्थ -

(१) उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी¦ शारदा मन्दिर, १९६७.

(२) मिश्र, उमेश. **भारतीयदर्शन**. लखनऊ**:** हिन्दी समिति ग्रन्थमाला १०, १९६४.

(३) उपाध्याय, बलदेव. **भारतीय दर्शन.** वाराणसी**:** शारदा मन्दिर,१९७१.

(४) Hiriyanna, Mysore. **Outlines of Indian Philosophy**. Delhi**:** Motilal Banarasidass, 1993.

(५) Dasgupta, Surendra Nath. **A History of Indian Philosophy**. Delhi: Cambridge University Press.

(६) Radha Krishanan, S. **Indian Philosophy**. Delhi: Cambridge University Press.

(७) गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. **भारतीय संस्कृति.** जोधपुर¦ राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट,२००४

(८) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह.'**भारतीय संस्कृति का इतिहास'**. मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाज़ार, 1969.

Research Methodology: **CREDITS - 05**

पञ्चम प्रश्नपत्र- शोधविधि **पूर्णाङ्क** ६०

(क) शोध का अर्थ एवं स्वरूप

(ख) शोध की आवश्यकता, क्षेत्र एवं प्रकार

(ग) शोध की विविध पद्धतियाँ

(घ) शोध के चरण एवं सामग्री संकलन

(ङ) शोध विषय का चयन और शोधार्थी के गुण

सहायक ग्रन्थ -

(१) अनुसंधान प्रक्रिया एवं रुपरेखा, डॉ. देवीदास यशवंत इंगळे, अमन प्रकाशन, कानपुर.

(२) आधुनिक शोध प्रणाली, दीपिका भारद्वाज, रितु पब्लिकेशन्स, जयपुर.

(३) वैदिक-शोध प्रविधि, डॉ. कृष्ण लाल, दिल्ली.

(४) शोध प्रविधि, हरीश कुमार शास्त्री, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल.

(५) शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान, डॉ. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद.

(६) Elements of Research Methodology in Sanskrit, Dr. Keshab Chandra Dash, Chaukhambha Sanskrit Sansthan, Varanasi-221001

Minor- I: **CREDITS - 04**

षष्ठ प्रश्नपत्र- भारतीय संस्कृति और सभ्यता **पूर्णाङ्क ६०**

(क) संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा, वैदिक संस्कृति, भारतीय जीवन मूल्य, षोडश संस्कार, २०

(ख) रामायण, महाभारत एवं पुराणों का भारतीय संस्कृति और सभ्यता पर प्रभाव २०

(ग) वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थचतुष्टय, प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति, प्राचीन भारतीय शिक्षा, प्राचीन भारतीय शिल्प और कला। २०

सहायक ग्रन्थ -

(१) उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी¦ शारदा मन्दिर, १९६७.

(२) गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. **भारतीय संस्कृति.** जोधपुर¦ राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट,२००४.

(३) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह.'**भारतीय संस्कृति का इतिहास**'. मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाज़ार, 1969.

(४) स्वामी दयानन्द, सत्यार्थप्रकाश, परोपकारिणी सभा, अजमेर: वैदिक यन्त्रालय, २००२.

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र- गढ़वाल के प्रमुख तीर्थस्थल **पूर्णाङ्क ६०**

गढवाल के प्रमुख तीर्थस्थल— हरिद्वार, हृषीकेश (ऋषिकेश), देवप्रयाग, श्रीक्षेत्र (श्रीनगर), पञ्चबदरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, तुङ्गनाथ, रुद्रनाथ, मध्यमेश्वर, कल्पेश्वर, गुप्तकाशी, त्रियुगीनारायण, कालिमठ, गोपेश्वर, सूर्यप्रयाग (तिलवाड़ा), कर्णप्रयाग, नन्दादेवी और नन्दा की राजयात्रा, रुद्रप्रयाग, गङ्गोत्तरी, यमुनोत्तरी, सौम्यकाशी (उत्तरकाशी= बाड़ाहाट) और टिहरी।

सहायक ग्रन्थ-

(१) **श्रीस्कन्दमहापुराणान्तर्गतकेदारखण्ड.** रत्नप्रभाभाषाव्याख्या सहित. व्याख्याकार ब्रजरत्नभट्टाचार्य. नन्दप्रयाग¦ प्रकाशक महेशानन्दशर्म्मा भक्तिरसामृत कार्यालय. मुद्रक मुम्बई¦ खेमराज कृष्णदास श्रीवेंकटेश्वर स्टीम प्रेस. पुनः प्रकाशित नई दिल्ली¦ मोतीलाल बनारसीदास.

(२) कृष्णकुमार. नैथानी, शिवप्रसाद. लक्ष्मीचन्द्रशास्त्री और उप्रेती जयदत्त. **गढ़वाल के प्रमुख तीर्थ**. श्रीनगर¦ हे. न. ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग,१९८१.

(३) नैथानी, शिवप्रसाद. **उत्तराखण्ड के तीर्थ एवं मन्दिर**. श्रीनगर गढ़वाल¦ पवेत्री प्रकाशन. रमेश भवन. भक्तियाना, १९९७.

FYUG 4TH YEAR (UG HONOURS WITH RESEARCH)

8th Semester

अष्टम सत्र

Core Major I: **CREDITS – 05**

प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिकसूक्त और निरुक्त **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **वैदिक सूक्त** ४५

ऋग्वेद के सूक्त— इन्द्रसूक्त १/३२, सवितृसूक्त १/३५, उषस्सूक्त १/४८, सूर्यसूक्त १/११५, विश्वामित्र-नदीसंवादसूक्त ३/३३, सोमसूक्त ९/८०, पर्जन्यसूक्त ५/८३, पुरुषसूक्त १०/९०, हिरण्यगर्भसूक्त १०/१२१, वाक्सूक्त १०/१२५, नासदीयसूक्त १०/१२९

माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद का मन्त्र— योगक्षेम २२/२२

शौनकीय अथर्ववेद का सूक्त— राष्ट्राभिवर्धन १/२९

(ख) यास्क. **निरुक्त** प्रथम अध्याय और द्वितीय अध्याय के प्रथम-द्वितीय पाद १५

सहायक ग्रन्थ -

(१) Chaubey, Dr. Braj Bihari. **The New Vedic Selection Part I &II.** Varanasi: Bharatiya Vidya Prakashan, 1976.

(२) डॉ.कृष्णकुमार. **ऋक्सूक्तसुधाकर.** मेरठ: साहित्य भण्डार, १९७२.

(३) यास्क. निरुक्त. सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, २००५.

(४) यास्क. निरुक्त दुर्गावृत्ति सहित. सम्पादक परमेश्वरान्द. छज्जूलाल और देवशर्मा. दिल्ली: मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन, २००९.

Core Major Elective I: **CREDITS - 04**

द्वितीय प्रश्नपत्र— संस्कृत महाकाव्य **पूर्णाङ्क ६०**

(क) माघ कृत **शिशुपालवध** प्रथमसर्ग ३०

(ख) अश्वघोष. **बुद्धचरित** प्रथम और द्वितीय सर्ग ३०

सहायक ग्रन्थ-

(१) माघ. **शिशुपालवध.** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित. मुंबई**:** खेमराज श्रीकृष्णदास वेङ्कटेश्वर स्टीम् मुद्रणालय.

(२) माघ. **शिशुपालवध** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित प्रथम सर्ग. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. देवनारायणमिश्र. मेरठ**:** साहित्य भण्डार सुभाषबाज़ार, १९९३.

(३) अश्वघोष. **बुद्धचरित** प्रकाशहिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार महन्त श्रीरामचन्द्र दास शास्त्री. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन, १९९५.

(४) द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

अथवा

द्वितीय प्रश्नपत्र- गीता में आत्मप्रबन्धन **पूर्णाङ्क** **६०**

(क) **मन तथा बुद्धि का स्वरूप** १०

(ख) **मानसिक द्वन्द्व तथा उनके कारण** १०

(ग) **मन की चञ्चलता, नियन्त्रण और मन का संयमन** १०

(घ) **चेतन और परमात्मा के मध्य सम्बन्ध और उसकी भक्ति** १०

(ङ) **योगसिद्धि में साधक एवं बाधक तत्व** १०

(च) **आत्मप्रबन्धन का फल** १०

सहायक ग्रन्थ-

(१) **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, अनुवादक हरिकृष्णदास गोयन्दका, गोरखपुर, गीता प्रेस, संवत २०४९.

(२) **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्य सहित, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, २००४.

(३) **श्रीमद्भगवद्गीता** मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभा भाष्य हिन्दी-व्याख्या सहित, व्याख्याकार मदन मोहन अग्रवाल, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, १९९४.

(४) तिलक, बालगंगाधर, **श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य और कर्मयोगशास्त्र** दिल्ली, राजपाल एण्ड सन्स, १९६९.

(५) कुमारः, डॉ विनोदः, **गीता में आत्मप्रबन्धन** इति, देहली, परिमल पब्लिकेशन्स, २०१२.

Research Writing and Ethics: **CREDITS - 03**

तृतीय प्रश्नपत्र- शोधलेखन और नैतिकता **पूर्णाङ्क**

(क) शोध पत्र/आलेख/प्रबन्ध का लेखन

(ख) शोध की नैतिकता एवं कदाचार

सहायक ग्रन्थ-

(१) **अनुसन्धान-सम्पादन-प्रविधिः, म. म. डॉ. वागीश शास्त्री, वाग्योग चेतनाप्रकाशनम्, वाराणसी.**

(२) **शोध एवं प्रकाशन नैतिकता, सुरेन्द्र कटारिया एवं श्रीराम पाण्डेय, आर.बी.एस.ए. प्रकाशन, २०२३.**

(३) **Writing Your Thesis and Research Papers, R. K. Singh, Prakash Book Depot, Bareilly-243003**

Research Dissertation: **CREDITS - 12**

चतुर्थ प्रश्नपत्रम्- शोधनिबन्ध **पूर्णाङ्क**

Note: Topic will be issued in 7th semester

Minor- II: **CREDITS - 04**
पञ्चम प्रश्नपत्र- संस्कृत भाषा और साहित्य **पूर्णाङ्क ६०**

(BSKLA-135: Sanskrit Bhasha aur Sahitya)*

***Swayam Course: 135:**

https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou25_lg20/

अथवा

षष्ठ प्रश्नपत्र- भाषाविज्ञानम् **पूर्णाङ्क ६०**

(क) **भाषा-** भाषा का व्यापक अर्थ, भाषाविज्ञान की दृष्टि से भाषा का अर्थ, भाषा का लक्षण, भाषा की प्रकृति, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विविध भेद यथा- भाषा, विभाषा, बोली। भाषा की उत्पत्ति से सम्बन्धित विविध मत। भाषाओं का वर्गीकरण। वर्गीकरण के आधार, आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार की भाषाओं का विशेष अध्ययन, अवेस्ता और संस्कृत की तुलना, वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की तुलना, भारतीय आर्य भाषाओं का वैदिक संस्कृत से अपभ्रंश तक का विकास। भाषाविज्ञान का लक्षण, भाषाविज्ञान का विविध शास्त्रों से सम्बन्ध। भाषाविज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र। भाषाविज्ञान में भाषाओं के अध्ययन की पद्धतियां यथा- समकालिक (वर्णनात्मक और संरचनात्मक भेद सहित), ऐतिहासिक, तुलनात्मक और प्रायोगिक। ३०

(ख) **ध्वनिविज्ञान**- ध्वनि का लक्षण, ध्वनिग्राम, मानवीय वाग्यन्त्र के आधार पर ध्वनियों के उच्चारण स्थान और प्रयत्न, स्वर और व्यञ्जन, संस्कृत ध्वनियों का उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण, ध्वनिपरिवर्तन की दिशाएं और कारण। ध्वनि परिवर्तन से सम्बन्धित ध्वनि नियम यथा- ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम और वर्नर नियम। १५

(ग) **अर्थविज्ञान-** अर्थबोध के साधन, अर्थपरिवर्तन के कारण और दिशाएं। १५

सहायक ग्रन्थ-

(१) कर्णसिंह. ***भाषाविज्ञान.*** मेरठ**:** साहित्य भण्डार. सुभाष बाजार.

(२) तिवारी, भोलानाथ. ***भाषाविज्ञान.*** इलाहाबाद**:** किताब महल.

(३) कपिलदेव. ***भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र*** . वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०१२.

(४) Gune, P.D. ***An Introduction to Comparative Philology.*** Delhi: Chaukhamba Sanskrit Pratishthan. 38 U.A. Bungalow Road. Jawahar Nagar, 2005.

(५) Bloomfield, leonard. ***Language***. New York: Holt, Rinehart and Winston, 1933